राज्य सभा

अतारांकित प्रश्नासंख्या 727

29 अप्रैल, 2015 को उत्त र के लिए

इस्पा9त्छत्पा5दन्के मामले में श्रम के अनुपात में उत्पा दन्का कम होना

727. श्री मो. नदीमुल हक:

क्या इस्पाोमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में इस्पा त्छत्पा दन्के मामले में श्रम के अनुपात में उत्पाीदनअन्य्देशों के मुकाबले काफी कम है;

(ख) यदि हां, तो तत्संहबंधीब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस संबंध में कोई विशिष्ट अध्यायनकिया गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संतबंधीब्यौ राक्या है और यदि नहीं, तो इसके क्याक्कारण है; और

(ड़) पश्चिमी बंगाल राज्यतमें सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पाैत्छत्पाददन्इकाइयों में काम कर रहे कार्मिकों की संख्या और राज्य् में कुल उत्पाहदन्का ब्यौकसक्या हैं?

उत्तडर

इस्पा्त और खान राज्यमंत्री **(श्री विष्णुद्देव साय)**

(क) और (ख) : इस्पाुत संयंत्रों में श्रम उत्पा दकता उनकी आकृति, आयु, प्रौद्योगिकी, उत्पाकद मिश्र और स्वपचालन के स्तपर के आधार पर अलग-अलग होती है। भारतीय इस्पाआत कंपनियों की श्रम उत्पारदकता प्रति व्यपक्ति 300-1800 टन क्रूड इस्पामत (टीसीएस) वार्षिक के बीच भिन्नप-भिन्नउ है,जबकि इसकी तुलना में विदेशी इस्पायत कंपनियों की अनुमानित श्रम उत्पागदकता लगभग 330-2200 टीसीएस/व्यि्क्त/वर्ष है।

(ग) और (घ) : इस्पानत मंत्रालय द्वारा श्रम उत्पा दकता पर कोई विशिष्टं अध्यरयन नहीं कराया गया है। तथापि, लोक उद्यम विभाग ने लोहा एवं इस्पाात क्षेत्र के चुनिंदा केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों यथा सेल और आरआईएनएल के लिए एक बेंचमार्किंग अध्यपयन किया है , जिसमें अन्यक के साथ-साथ श्रम उत्पाीदकता भी शामिल है।

(ड़) : दिनांक 1.4.2015 की स्थिति के अनुसार स्टीजल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा प्रस्तुनत की गई सूचना के मुताबिक पश्चिम बंगाल राज्य् में अवस्थित सेल की उत्पासदन इकाइयों में 21924 कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2014-15 में पश्चिम बंगाल राज्यट में सेल की इकाइयों से क्रूड इस्पा त का कुल उत्पाादन 2.31 मिलियन टन था।

*****